ओडीओपी से दुनिया में बदल रही यूपी की पहचान

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'एक जिला- एक उत्पाद' (ओडीओपी) ने प्रदेश में दम तोड़ रहे परंपरागत उद्योगों में जान फूंक दी है। इस योजना से सभी 75 जिलों के अलग-अलग उत्पादों को नई पहचान दी गई है। इसके तहत उद्योग विभाग ने तीन साल में करीब 26 सौ उद्यमियों को 82.83 करोड़ की मदद दी है और 28 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिला है। इससे दुनिया में यूपी की पहचान बदल रही है।

अपर मुख्य सचिव एमएसएमई नवनीत सहगल ने बताया कि ओडीओपी के 11 हजार उत्पाद अमेजन पर उपलब्ध हैं। अब तक 24 करोड़ की कीमत के 50 हजार उत्पादों की बिक्री भी हुई है। वित्त वर्ष 2018-19 में 916 उद्यमियों को 31.34 करोड़ की मदद दी गई। इससे 10,733 लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया। इसी तरह 2019-20 में 1442 उद्यमियों को 43.53 करोड़ की मदद दी गई और 15,253 लोगों को रोजगार मिला। चालू वित्त वर्ष में अगस्त तक 236 उद्यमियों को करीब 7.96 करोड़ की मदद दी गई है और 2114 को लोगों को रोजगार मिला है। 2018-19 में ओडीओपी का कुल निर्यात 28 फीसदी बढ़कर एक लाख 10 हजार करोड़ पर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि ओडीओपी उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जा रहा है। उन्हें अपग्रेडेड मशीनें, ट्रेनिंग और आर्थिक मदद भी दी जा रही है।

सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट ने फूंकी यूपी के परंपरागत उद्योगों में जान

सिर्फ अमेजन पर बिके 24 करोड़ की कीमत के 50 हजार उत्पाद

परंपरागत उद्योगों को लेकर सरकार की मुहिम सराहनीय

वेस्टर्न यूपी चैंबर एंड कॉमर्स के भूतपूर्व सेक्रेटरी आरके जैन कहते हैं कि औद्योगिक क्षेत्र में बदलाव प्रदेश में 2017 के बाद से देखने को मिले। परंपरागत उद्योगों को लेकर सरकार की मुहिम सराहनीय है। सरकार उद्यमियों की समस्याओं का समाधान भी कर रही है। मसलन, सहारनपुर में वुड कार्विंग उद्योग एक अरसे से पुराने ढंग से काम करता आ रहा है, उन्हें ट्रेनिंग की जरूरत थी। अब सरकार की ओर से ट्रेनिंग के लिए सहायता की जा रही है। इससे उनके उत्पादों में निखार आएगा।